टाइटलर तालाब मेंढ़क (हाइलाराना टाईट्लरी)

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - लीस्ट कन्सर्न (कम चिंता का विषय)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है।

यह गंगा के मध्य खंड के तराई-वाले क्षेत्र में समुद्रतल से ३०० मीटर की ऊँचाई में पाई जाने वाली प्रजाति के मेंढ़क हैं। इस प्रजाति का निवास स्थान ताल, झील और दलदल है। यह नदी के निरे वाले वन और उष्णकंटिबंधीय वनों में निवास करते हैं। इस प्रजाति के मेंढ़क आमतौर पर रुके हुए पानी के जलाशयों, और जलमग्न कृषि क्षेत्रों में अंडे देते हैं। निवास की कमी, अवैध रूप से शिकार और कीटनाशकों, रासायनिक कृषि खाद और जल प्रदूषण इनके लिए मुख्य खतरे है।

भारतीय बुल-मेंढ़क (हॉप्लॉबेक्ट्रारकस टिगरिनस)

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - लीस्ट कन्सर्न (कम चिंता का विषय)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूची ४। साईटिस (CITES) - परिशिष्ट २ यह गंगा नदी के ऊपरी, मध्य और निचले भागों में पाया जाता है। ये हरे-भूरे रंग का, मध्य पृष्टीय, पीली रेखा वाला १३४ मिमी का मेंढक है। यह धान के खेतों में विशेष रुप से मीठे पानी की झीलों में पाया जाता है। यह अधिकतर एकान्त में रहते हैं। छोटे स्तनपायी जीव और पक्षी इनका भोजन होते हैं। ये मानसून के दौरान प्रजनन करते हैं और बड़ी संख्या में अंडे देते हैं। परन्तु टैडपोल, छोटे बच्चे और वयस्क सदस्यों के उच्च मुत्युदर इनके आबादी कम होने का कारण है। कीटनाशकों, रासायनिक कृषि खाद और जल प्रदूषण इनके लिए मुख्य खतरे हैं।

जरडन बुल-मेढ़क (हॉप्लॉबेक्ट्रारकस क्रासस)

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - लीस्ट कन्सर्न (कम चिंता का विषय)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही है। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है। यह गंगा नदी के ऊपरी, मध्य और निचले भागों में पाये जाते हैं। ये १२१ मिमी लंबे गहरे रंग के धब्बे और अनियमित ग्रंथियों, सिवटों वाले मेंढ़क हैं। ये घास के मैदानों, खुले मैदानों और शुष्क क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों और मानव के आसपास पाये जाते हैं। बड़ी नदियां इनके प्रमुख प्रजनन स्थल हैं। वासस्थन का विनाश इनके अस्तित्व के लिए मुख्य खतरे हैं।

दुधवा पेड़-मेंढक (चिरोमनटिस दुधवेनसीस)

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - डेटा डेफिसियेन्ट (आंकड़ो की कमी)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही है। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है। इस प्रजाति के मेंढ़क वर्तमान में भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के 'दुधवा नेशनल पार्क' में समुद्र-तल से १०० मीटर ऊपर के क्षेत्र में पाये जाते हैं। यह भूरा-पीले रंग का मेंढ़क होता है। यह प्रजाति अधिकतर समय पेड़ पर बिताती है, और झाड़ी वाले वन, घास के मैदान और ग्रामीण बस्तियों में रहते हैं। इनका प्रजनन स्थायी तालाबों एवं जलाशयों में होता है। इनके खतरों के बारे में पूर्ण रुप से जानकारी नहीं है।

GANGA AQUALIFE CONSERVATION MONITORING CENRE

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

भारतीय वन्जीव संस्थान
चन्द्रबनी, देहरादून – 248 001 उत्तराखण्ड
www.wii.gov.in
http://www/wii.gov.in/nmcg/priority-species

नमामि गंगे

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

VIBRANT GANGA

जीवन दायिनी गंगा

जलवायु परिवर्तन की चपैट में गंगा के वाशिंदे:

मेंढकों की प्रजातियाँ

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
NATIONAL MISSION FOR CLEAN GANGA

जैवविविधता संरक्षण और गंगा जीर्णोद्धार

दुनिया भर में उभयचर प्राणियों की ७००० से अधिक प्रजातियाँ पायी जाती है। यह आद्वितीय जीव जलीय तथा स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र की भोजन श्रृखला में माध्यमिक उपभोक्ताओं के रुप में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मेंढक के बच्चे या टैडपोल शाकाहारी और मांसभक्षी दोनो होते हैं, और पोषकचक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक तरफ वयस्क उभयचर अच्छे जीव कीट नियंत्रक के रुप में काम करते हैं, दूसरी तरफ यह भोजन श्रृखला में साँप व अन्य जानवरों के लिए भोजन बनते हैं।

पर्यावरण के नजरिये से उभयचर अच्छे पाारिस्थितिक संकेतक होते हैं। टैडपोल और वयस्क अवस्था में पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के छोटे से छोटे परिवर्तन में उच्च-संवेदनशीलता होने के कारण यह पर्यावास विखंडन, पारिस्थितिकी तंत्र में तनाव और कीटनाशकों आदि के कुप्रभाव का संकेतक हैं।

जलवायु में परिवर्तन, प्रदूषण और निवास स्थान का विनाश आज इस जीव के आबादी घटने का प्रमुख कारण हैं। इस प्रजाति के जीवों की महत्वपूर्णता को मध्यनजर रखते हुए इनकी संरक्षण की जिम्मेदारी हमें ही लेनी है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र सुरक्षित और संतुलित रह सकें।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन - भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून 'जैव विविधता संरक्षण और गंगा जीर्णोद्धार' परियोजना विज्ञान आधारित जलीय जीवों की बहाली योजना है। इस परियोजना के अर्न्तगत गंगा के अभयचरों का विज्ञान आधारित संरक्षण किया जा रहा है।

हिमालयी या मेंढ़क *(नैनोराना विसिना)*

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - लीस्ट कन्सर्न (कम चिंता का विषय)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही है। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है। यह ऊपरी गंगा खंड में २०००-३००० मी० की ऊंचाई में पये जाने वाला ५८ मिमी के आकार का मेंढ़क है। इसका शरीर मेंहदी और भूरे रंग का होता है। यह ऊंची धाराओं, झरनों, खुले वन और घास के मैदान के भीतर बह रहे पानी में निवास करते हैं। इस प्रजाति के खतरों के बारे में शोध किया जा रहा है।

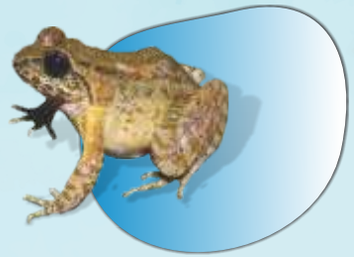

अनन्डेल पा मेंढ़क *(नैनोराना अनान्डाली)*

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - नियर थ्रटेन्ड (संकट निकट)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही है। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है। यह गंगा के ऊपरी खंड में १५०० से ३००० मी० के बीच में पाये जाने वाला, ५५ मिमी के आकार का मेंढ़क है। इसका शरीर मेंहदी रंग का और पेट सफेद होता है। यह प्रजाति पथरीले, तथा पर्वतीय वनों के जलाशयों में पायी जाती है। टेडपॉल का विकास नदियों की धाराओं में होता है। प्राकृतिक वनों की कटाई इनके अस्तित्व के लिए मुख्य खतरे हैं।

कास्केड मैंढक *(अमोलप्स फॉरमॉसस)*

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - नियर कन्सर्न (कम चिंता का विषय)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही है। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है।

यह ऊपरी गंगाा में १००० और २५०० मीटर की ऊंचाई में पाया जाने वला यह हरे रंग व काले धब्बेवाला मेंढ़क है। ये ७५ मिमी के होते हैं, तेजधार वाली नदी में प्रजनन करते हैं, और नदी के तट एवं उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन में पाये जाते हैं। वनों की कटाई, जल प्रबंधन बांध में परिवर्तन और जल प्रदूषण इनके लिए मुख्य खतरे हैं।

नेपाल पा मेंढ़क *(नैनोराना मिनीका)*

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - वल्नरेबल (संवेदनशील)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही है। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है।

यह प्रजाति पश्चिमी और पूर्वी नेपाल, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में पायी जाती है। यह गंगा के ऊपरी और मध्य में १००० से २४०० मीटर की ऊँचाई पर पाये जाते हैं। यह प्रजाति २८ से ४१ मिमी के आकार की होती है। इसका शरीर भूरे रंग का होता है, जिस पर काले धब्बे व पीठ पर छोटे-छोटे मस्से जैसे बने होते हैं। बाँध निर्माण और स्थानीय वनों की कटाई इनके अस्तित्व के मुख्य खतरें हैं।

मारबल्ड मैंढक *(दल्लाफ्राईनस स्टोमेटीक्स)*

आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List) - लीस्ट कन्सर्न (कम चिंता का विषय)। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ - सूचीबद्ध नही है। साईटिस (CITES) - सूचीबद्ध नही है। गंगा के ऊपरी और मध्य हिस्सों में पाये जाने वाला यह एक हल्का भूरे रंग और त्वचीय मस्सेवाला ७६ मिमी का मेंढ़क है। इसकी आंखो के पीछे बड़े कर्णमूलीय ग्रंथि मौजूद हैं। ये खुले मैदान, वन, कृषिभूमि और मानव बस्तियों के आस-पास पाये जाते हैं। स्थायी रुप से मौसमी पूर्ण, मौसमी नदियों और धीमी गति से बह रही धाराओं में इनका प्रजनन होता है। निवास स्थान की हानि, कृषि की गहनता और लंबे समय तक सूखा और प्रदूषण इनके लिए मुख्य खतरे हैं।